



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 25 दिसंबर, 2023

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिस

उपभोक्ता अधिकारों तथा ज़मिमेदारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये भारत **प्रत्येक वर्ष 24 दिसंबर** को **राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिस** मनाता है।

- इसी दिन **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 को 24 दिसंबर 1986 को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मली थी।**
- इस अधिनियम का उद्देश्य **उपभोक्ताओं का** दोषपूर्ण वस्तुओं, लापरवाह सेवाओं एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं से **संरक्षण** करना है।
 - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, नविरण पाने का अधिकार एवं उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार हैं।
 - **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986** को प्रतस्थापित करने के लिये उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 **संसद** द्वारा पारित किये गया था।
- **वशिव उपभोक्ता अधिकार दिस 15 मार्च** को मनाया जाता है।

और पढ़ें...[राष्ट्रीय उपभोक्ता दिस](#), [उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण](#)

पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती

25 दिसंबर, 2023 को **पंडित मदन मोहन मालवीय** की **162वीं जयंती** पर प्रधानमंत्री 'पंडित मदन मोहन मालवीय के एकत्रित कार्यों' की पहली शृंखला का **वमोचन** करने वाले हैं।

- **द्विभाषी (अंग्रेज़ी और हर्दी)** कार्य में मदन मोहन मालवीय के लेख, भाषण, अप्रकाशित पत्र और अन्य कार्य शामिल हैं।
- मदन मोहन मालवीय (25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946) एक **भारतीय वद्वान, राजनीतज्ञ और शिक्षा सुधारक** थे।
 - वह **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** में एक नेता थे और चार बार **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के अध्यक्ष के रूप में कार्य किये। वह **अखलि भारत हर्द्वि महासभा** तथा **बनारस हर्द्वि विश्ववद्वियालय** के संस्थापक भी थे।

मदन मोहन मालवीय

(25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946)

“शिक्षाविद्, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता”
महात्मा गांधी द्वारा 'महामना' और डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा 'कर्मयोगी' की उपाधि

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- वह नरमपंथी एवं गरमपंथी दोनों के बीच की विचारधारा के नेता थे
- नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) में भाग लिया
- चार सत्रों (1909, 1913, 1919 और 1932) के लिये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए



प्रमुख योगदान:

- 'गिरमिटिया मजदूरी' प्रथा को समाप्त करने में
- वर्ष 1905 में गंगा महासभा की स्थापना
- 11 वर्ष (1909-1920) तक 'इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल' के सदस्य
- पद 'सत्यमेव जयते' शब्द को लोकप्रिय बनाया
- ब्रिटिश-भारतीय न्यायालयों में देवनागरी का प्रवेश
- वर्ष 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका
- वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना

पत्रकारिता:

- अभ्युदय (हिंदी साप्ताहिक) और मर्यादा (हिंदी मासिक)
- हिंदुस्तान टाइम्स के निदेशक मंडल के अध्यक्ष

सम्मान:

- भारत रत्न (2014)
- वाराणसी-नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस (2016)



Drishiti IAS

और पढ़ें...[पंडति मदन मोहन मालवीय](#)

वीर बाल दविस

वीर बाल दविस हर साल 26 दसिंबर को दसवें और अंतमि सखि गुरु [गुरु गोबदि सखि](#) के चार पुत्रों की शहादत की याद में मनाया जाता है ।

- चारों बेटों के नाम **जोरावर सखि, फतेह सखि, जय सखि** और **कुलवंत सखि** थे, जन्होंने मुगल बादशाह **औरंगजेब** और उसकी सेना के खलिाफ लड़ाई लड़ी थी ।
- **जोरावर सखि** और **फतेह सखि** को क्रमशः **छह और नौ साल की उम्र** में मुगलों ने पकड़ लिया था, जब उन्होंने **आनंदपुर साहबि** के अपने कलि को घेराबंदी से बचाया था ।
- उन्हें सरहदि ले जाया गया, जहां उन्होंने **इस्लाम अपनाने से इनकार** कर दिया और 1705 में उन्हें ईंटों की दीवार में जदि चुनवा दिया गया ।
- **जय सखि** और **कुलवंत सखि** को भी **आनंदपुर साहबि** में पकड़ लिया गया, लेकिन वे कुछ वफादार अनुयायियों की मदद से **सरहदि** से भागने में सफल रहे । वे सरहदि की अंतमि लड़ाई में अपने पति के साथ शामिल हुए जहाँ वह बंदूक की गोली से घायल हो गए थे ।
- गुरु गोबदि सखि के पुत्रों ने **सखि धरम** के लयि अपने जीवन का बलदिान दिया और उनके साहस ने सखिों की पीढ़ियों को प्रेरति कयिा ।

और पढ़ें...[वीर बाल दविस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-25-december,-2023>

